परिणामस्वरूप विभाग का कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है :

(ख) यदि हां, तो उन रिक्त पदों की संख्या, श्रेणी तथा नाम क्या-क्या हैं, वे पद कब से रिक्त पड़े हैं और इस अवधि में विभाग के कार्यकरण पर इसका क्या प्रभाव पड़ा है। और

(ग) औषध नियंत्रण विभाग में वरिष्ठ तथा महत्वपूर्ण रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्तियां करने तथा विभाग के कार्य की प्रगति के लिए सरकार द्वारा कौन-कौन से तात्कालिक कदम उठाए जा रहे हैं ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एड्आडों फलेरियो) : (क) से (ग) औषध नियंत्रक (भारत) ने सूचित किया है कि पिछले लगभग 2 वर्ष से औषध नियंत्रक के कार्यालय में संयुक्त औषध नियंत्रक का एक पद औषध-उप-नियंत्रक के 6 पद, सहायक औषध नियंत्रक के 9 पद फार्माकोलाजिस्ट का एक पद रिक्त पड़ा हुआ है। इस तथ्य के कारण ये पद एक वर्ष से अधिक समय से खाली पड़े हुए हैं, उन्हें अस्थीगत रखा गया है और इस समय भरे नहीं जा सकते हैं। इन पदों को पुनरूजीवित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भोपाल गैस त्रासदी अनुसंधान केन्द्र

2496. **श्री अजीत जोगी** : क्या रसायन एवं उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भोपाल गैस त्रासदी अनुसंधान केंद्र में श्रेणीवार कितने कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं और उनकी नियुक्ति में क्या प्रक्रिय अपनाई जाती है ;

(ख) इस अनुसंधान केंद्र द्वारा किए गए कार्यों का स्वरूप क्या है ; और

(ग) इन कर्मचारियों की वर्तमान निबंधन और शर्तें क्या हैं ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एड्आडों फलेरियो) : (क) भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार भोपाल गैस दुर्घटना अनुसंधान केंद्र (बी जी डी आरसी) में कर्मचारियों की संख्या, श्रेणी-वार, नीचे दी जाती है :—

1. अनुसंधान अधिकारी	2
2. उपसहायक अनुसंधान अधिकारी	2
3. अनुभाग अधिकारी	1
4. डाटा एंट्री आपरेटर	3
5. वरिष्ठ आशुलिपिक	1
6. कनिष्ठ आशुलिपिक	1
7. चपरासी	4
8 डाटा सार्टर	2
9. टाइपिस्ट	1
10. चौकीदार	1
11. ड्राइवर	1
12. अंशकालिक सफाई कर्मचारी	1
13. अंशकालिक माली	1

कर्मचारियों की नियुक्ति बी जी डी आर सी के परियोजना निदेशक द्वारा की जाती है।

(ख) भोपाल गैस दुर्घटना अनुसंधान केन्द्र की स्थापना विभिन्न परियोजनाओं का समन्वय करने तथा गतिविधियों को मानीटर करने के लिए और विषैली गैस के रिसाव के फलस्वरूप भोपाल में शुरू की गई परियोजना के अन्वेषकों तथा अनुसंधान स्टाफ को दिन-प्रतिदिन मार्गदर्शन देने के लिए की गई थी। बी जी डी आर सी ने रिपोर्ट लिखने के लिए आंकड़ा विश्लेषण तथा सहायता के लिए सुविधाएं दी थीं।

(ग) इस परियोजना के कर्मचारियों की सेवा शर्तें वही हैं जो परिषद् की तदर्थ परियोजनाओं के अस्थाई कर्मचारियों पर लागू होती हैं।

Failure of Projects to Meet Production Targets

2497. SHRI JOYANTA ROY : Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that fertilizers projects have failed to achieved the production as per their target; and

(b) if so, the names of such units and the reasons therefor ?